आज़ादी का अमृत महोत्सव

यूको मासिकी

प्रधान कार्यालय की मासिक ई-पत्रिका

वर्ष - 3; अंक - 7

अक्टूबर-नवंबर , 2021

यूको बैंक UCO BANK
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust

यूको मासिकी : अक्टूबर –नवंबर , 2021

संरक्षण एवं प्रेरणा

अतुल कुमार गोयल
एमडी एवं सीईओ

अजय व्यास
कार्यपालक निदेशक

इशराक अली खान
कार्यपालक निदेशक

दिग्दर्शन

नरेश कुमार
महाप्रबंधक
मा.सं.प्र., का.से., प्रशिक्षण एवं राजभाषा

संपादक

अमलशेखर करणसेठ
मुख्य प्रबंधक-राजभाषा एवं प्रभारी

सहयोग

सत्येन्द्र कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

रोशनी सरकार साव
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

राम अभिषेक तिवारी
प्रबंधक (राजभाषा)

अनुक्रम

विषय-वस्तु	पृष्ठ सं.
सितंबर तिमाही परिणाम	3-4
बैंकिंग लेख	5
अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन	6-8
माह के हिन्दी साहित्यकार	9
माह के हिंदीतर साहित्यकार	10-11
सतर्कता दिवस की गतिविधियां	12-15
स्वास्थ्यनामा	16-17
प्रेरक प्रसंग	18-19

प्रकाशन एवं संपर्क

यूको बैंक, राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय,
10, बीटीएम सरणी, कोलकाता - 700001
ई-मेल horajbhasha.calcutta@ucobank.co.in,
फोन - 033 4455 7384

बैंक का सितंबर तिमाही -परिणाम

हितधारकों के विश्वास ने यूको बैंक को पीसीए से बाहर निकाल लाया।
यूको बैंक का टर्नअराउंड- पीसीए से बाहर निकलने के बाद संवृद्धि का दृष्टिकोण
यूको बैंक ने सतत विकास की रणनीतियों को फिर से परिभाषित किया।

यूको बैंक ने उपर्युक्त वित्तीय वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों के अलावा कोविड-19 की दूसरी लहर का सामना करने के लिए सरकारी प्रयासों को सहयोग देने हेतु कई पहलें की हैं। **उनमें से प्रमुख हैं:**

जमा पहल:
विशिष्ट सावधि जमा उत्पाद जिसमें लोगों को कोविद -19 वैक्सीन लेने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कार्ड दर से 0.30% अधिक ब्याज की पेशकश की गई।

अग्रिम पहल :

- कार्यशील पूंजी सीमा में ब्याज भुगतान और सावधि ऋण की ईएमआई चुकौती पर नियामक निदेश के आधार पर 6 महीने की स्थगन (मार्च, 20 से अगस्त, 20) की अनुमति दी गई।
- बड़ी संख्या में लाभार्थियों को **जीईसीएल** सुविधा प्रदान की गई।
- बैंक ने **पीएम स्वनिधि** योजना के तहत संपूर्ण देश में छोटे और सीमांत विक्रेताओं की मदद की।
- **एमएसएमई** क्षेत्र की मदद के लिए यूको बैंक के सभी एमएसएमई उत्पाद की ब्याज दर 7.20% की गई।
- **यूको कोविड-19 आपातकालीन ऋण व्यवस्था (यूसीईसीएल)** - कोविड -19 के बीच व्यावसायिक व्यवधानों के कारण अस्थायी चलनिधि असंतुलन को पूरा करने के लिए नई ऋण सुविधा शुरू की गई।

सरकार की गारंटीड इमरजेंसी क्रेडिट लाइन (जीईसीएल), माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशन के लिए क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएसएमएफ़आई), कोविड प्रभावित क्षेत्रों के लिए ऋण गारंटी योजना (एलजीएससीएएस), एलजीएससीएटीएसएस आदि नई कोविड ऋण योजनाएं लागू की गई। सोशल मीडिया जैसे ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि के माध्यम से एमएसएमई आउटरीच प्रारंभ किया गया।

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए विशेष रूप से पहल

- चिकित्सा अवसंरचना/ अस्पताल/चिकित्सा उपकरणों हेतु वित्तपोषण के लिए **यूको आरोग्यम** योजना शुरु की गई।
- दिनांक 01/04/21 को या उसके बाद कोविड-19 से संक्रमित व्यक्तियों के वित्तपोषण के लिए **यूको कवच** योजना शुरू की गई।
- ऑक्सीजन सयंत्रों की स्थापना हेतु वित्तपोषण के लिए **यूको संजीवनी** योजना की शुरु की गई।

हमने अपनी प्रमुख योजना **यूको डॉक्टर ऋण** को संशोधित किया है ताकि चिकित्सा अवसंरचना की वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप अधिक से अधिक ग्राहकों तक पहुंच बनाई जा सके।

ऋण निगरानी पहल :

दिनांक 01.03.2020 से 31.08.2020 के बीच की अवधि के लिए ब्याज की किश्तों के भुगतान में छह महीने की स्थगन के अनुसार कोविड -19 नियामक पैकेज।

भारतीय रिजर्व बैंक के संकल्प फ्रेमवर्क 1.0 दिनांक 06.08.2020 के तहत बैंक ने 1356.05 करोड़ रुपये की राशि के 2067 खातों को पुनर्संरचित किया।

भारतीय रिजर्व बैंक के संकल्प फ्रेमवर्क 2.0 दिनांक 05.05.2021 के तहत बैंक ने 2705.21 करोड़ रुपये की राशि के 51512 खातों को पुनर्संरचित किया।

अनुग्रह राशि के भुगतान की योजना: सभी पात्र खातों में सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार अनुग्रह राशि का अनुदान जमा कर दिया गया है। 'ब्याज पर ब्याज' को संबंधित उधार खातों में जमा कर दिया गया है।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की पहल :

बैंकिंग @ आपके दरवाजे पर - यूको बैंक ने ग्राहकों के दरवाजे पर प्रमुख बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए इस परियोजना को नेतृत्व प्रदान किया।

हम नकद आहरण के साथ-साथ नकद जमा सेवाएं शुरू करने में अग्रणी रहे हैं।

ग्राहकों की कठिनाई को कम करने के उद्देश्य से बैंक ने डोर स्टेप बैंकिंग के अंतर्गत प्रमुख सेवाओं पर प्रभार को घटाकर रु.50/- (कर सहित) कर दिया है।

बैंक ने अपने समूह में एक अंतर-बैंक अभियान "मानसून बोनान्ज़ा" में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है, जो ग्राहकों द्वारा डोर स्टेप बैंकिंग सेवाओं की बुकिंग पर केंद्रित था।

नवंबर माह, जीवन प्रमाणपत्र जमा करने का महीना होने के कारण हमारा ध्यान अपने पेंशनभोगियों के लिए डोर स्टेप बैंकिंग के माध्यम से परेशानी को कम करने पर है।

वीडियो जीवन प्रमाण पत्र - यूको बैंक पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक था जिसने बैंक के एम-पासबुक ऐप, जिसमें वीडियो केवाईसी सुविधा का उपयोग किया जा रहा है, का उपयोग करके जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की पेशकश की। इस पहल की पेंशनभोगियों के साथ-साथ पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग, भारत सरकार द्वारा सराहना की गई है।

शाखा में आए बिना वास्तविक समय में खाता खोलना और वित्त पोषण/वर्चुअल कार्ड सुनिश्चित करने के लिए एम-बैंकिंग प्लस एप्लिकेशन के माध्यम से तत्काल खाता खोलना।

मोबाइल बैंकिंग का उपयोग करते हुए डेबिट कार्डों के लिए ग्रीन पिन बनाना।

घर से काम - बैंक ने व्यवसाय की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए एक सुरक्षित प्रौद्योगिकी समाधान अपनाया है ताकि आवाजाही पर प्रतिबंध के मामले में अधिकारीगण घर से काम कर सकें। इससे हमारे मूल्यवान ग्राहकों के लिए 24x7 बैंकिंग सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिली है।

एनपीसीआई फास्टटैग - संपर्क रहित भुगतान सुनिश्चित करने के लिए, बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के लिए यह सुविधा शुरू की गई थी।

डिजिटल लेनदेन पर जोर दिया जा रहा है।

ग्राहकों की मदद के लिए नई दिल्ली और बैंगलुरु में नए केंद्र खोलकर कस्टमर केयर की संख्या बढ़ायी गई है। ●

भाग्यश्री नीलम भारती
प्रबंधक
खुदरा ऋण केन्द्र
अंचल कार्यालय, जयपुर

बैंक उत्पादों के प्रचार-प्रसार में हिंदी भाषा का महत्व

वित्तीय व्यवसाय सामान्य जन से जुड़ा है। पिछले दो दशकों में बैंकिंग व अन्य वित्तीय संस्थानों का स्वरूप काफी बदल गया है। घंटों कतार में खड़े रहने वाला थका देने वाला माहौल आज बीती बात हो गई है। आज तकनीक चाहे जितना भी आधुनिक हो जाए, नये-नये आयामों को प्राप्त कर ले, फिर भी मूल इकाई तो वही रहेगी। जिसकी मदद से हमें लक्ष्यों को पाना है, कारोबार को बढ़ाना है, वह है - ग्राहक यानी उपभोक्ता, हिंदी भाषी क्षेत्र का एक आम आदमी, जो हिंदी ही जानता है, हिंदी ही समझता है हिंदी ही बोलता है। बैंकिंग सेवा क्षेत्र में हिन्दी के प्रयोग से बहुसंख्यक हिन्दी भाषी समाज का बैंकों के प्रति आत्मविश्वास बढ़ेगा। हिन्दी के प्रयोग से बैंकिंग कारोबार में जनता को सुविधा मिलेगी। सुदूर गांव में रहनेवाले लोग अंग्रेजी आम तौर पर नहीं जानते। लिहाजा उनकी बोल-चाल की सामान्य भाषा हिंदी ही होती है।

अगर हम भारत सरकार की नीतियों की बात करें, तो हम देखेंगे कि ज्यादातर नीतियां ग्रामीण क्षेत्र के विकास और निचले स्तर के लोगों को ऊपर उठाने के लिए हैं। अत: हम हिंदी का प्रयोग करके ज्यादा से ज्यादा लोगों के साथ ज्यादा अच्छे सम्बन्ध स्थापित कर सकते हैं और अपने बैंकिंग व्यवसाय को बढ़ा सकते हैं। आज बैंकिंग व अन्य वित्तीय व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा है, चुनौती है, आगे बढ़ने की होड़ है। क्षेत्र विस्तृत ही होता जा रहा है। तो ऐसे में तो हिंदी का महत्व और भी बढ़ जाता है। आज हम पूरे बैंकिंग क्षेत्र में डिजिटलीकरण की तरफ अग्रसर हैं, अतः जो भी तकनीक आम आदमी से जुड़ी है, उसमें असीम वृद्धि की गुंजाइश है, और ऐसी ही सरकार एवं बैंक की अपेक्षा भी है। हमारी अर्थव्यवस्था उठान पर है, इसलिए तकनीक का प्रयोग करने वालों की संख्या में आश्चर्यजनक बढ़ोतरी हुई है। यह बैंकिंग व अन्य वित्तीय संस्थानों में हिंदी को महत्व देने और उसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के कारण ही है।

अतः बदलते वित्तीय परिवेश में हिंदी को जितना अधिक लोगों के बीच लाएंगे, उन्हें हर बात हिंदी में ही समझाएंगे, तभी वह हमारे साथ मन से जुड़ पाएंगे। वे आपके कार्य व्यवहार की प्रशंसा करेंगे, आपकी योजनाओं की चर्चा करेंगे और इस तरह दूसरे लोगों को भी आपसे जोड़ते चले जाएंगे। इस बात से बैंकिंग ही नहीं, बल्कि पूरे वित्तीय क्षेत्र में हिंदी के महत्व का पता चलता है। हिंदी जानना, बोलना और लिखना पिछड़ेपन की निशानी नहीं, अपितु यह तो हमारी गरिमामयी राष्ट्रीय अभिव्यक्ति है। हिंदी राष्ट्रीय गौरव और अस्मिता का प्रतीक ही नहीं, भारत की आत्मा की आवाज़ है। जब हिंदी का बैंकिंग व अन्य वित्तीय संस्थानों में भरपूर प्रयोग होगा, लोगों को अपनी भाषा में योजनाओं की जानकारी मिलेगी, उनका लाभ उठा कर वे अपने कारोबार को बढ़ाएंगे तो पूरा देश प्रगति के रास्ते पर गतिमान होगा। ●

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

वाराणसी, 13 एवं 14 नवंबर, 2021

वाराणसी में आयोजित दो दिवसीय **"अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन – 13-14 नवंबर 2021"** का उदघाटन श्री अमित शाह, माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार, श्री योगी आदित्यनाथ, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तरप्रदेश सरकार, श्री नित्यानन्द राय, माननीय गृह राज्यमंत्री, श्री अजय कुमार मिश्रा, माननीय गृह राज्यमंत्री, श्री निशिथ प्रमाणिक, माननीय गृह राज्यमंत्री ने यूको बैंक की राजभाषा स्टॉल पर दीप प्रज्ज्वलित करके किया।
श्री अमित शाह जी ने सभा को संबोधित करते हुए हिन्दी के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार पर भी बल दिया एवं विभिन्न भाषाओं के साहित्य को हिन्दी में अनुवाद करने का अनुरोध किया।

पहला सत्र भारतेन्दु सभागार में श्री हरिवंश नारायण सिंह, उपसभापति, राज्यसभा की अध्यक्षता में हुआ। सत्र का विषय स्वतन्त्रता संग्राम और स्वतंत्र भारत में संपर्क भाषा एवं जनभाषा के रूप में हिन्दी की भूमिका था।
समानांतर सत्र जयशंकर प्रसाद सभागार में प्रोफेसर राम मोहन पाठक, पूर्व कुलपति, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई की अध्यक्षता में हुआ जिसका विषय मीडिया में हिन्दी : प्रभाव एवं योगदान था।
सम्मेलन में पुस्तक प्रदर्शनी भी लगाई गई थी जिसमें यूको बैंक का भी स्टाल था। माननीय श्री अमित शाह जी ने प्रदर्शनी का उदघाटन यूको बैंक के स्टाल से दीप प्रज्ज्वलित से किया। यूको बैंक के स्टाल में दूसरे दिन माननीय श्री अजय मिश्रा जी का आगमन हुआ।

द्वितीय सत्र भारतेन्दु सभागार में प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी, संसद सदस्य की अध्यक्षता में हुआ जिसका विषय राजभाषा के रूप में हिन्दी की विकास यात्रा और योगदान था।
समानांतर सत्र जयशंकर प्रसाद सभागार में डॉ मनोज राजोरिया, संसद सदस्य, संसदीय राजभाषा समिति की अध्यक्षता में हुआ जिसका विषय वैश्विक संदर्भ में हिन्दी – चुनौतियाँ और संभावनाएं था।

तृतीय सत्र भारतेन्दु सभागार में श्री केसरी नाथ त्रिपाठी, पूर्व राज्यपाल (पश्चिम बंगाल) एवं साहित्यकार की अध्यक्षता में हुआ जिसका विषय भाषा चिंतन की भारतीय परंपरा एवं संस्कृति के निर्माण में हिन्दी की भूमिका था।
समानांतर सत्र जयशंकर प्रसाद सभागार में श्री हृदय नारायण दीक्षित, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश, विधानसभा की अध्यक्षता में हुआ जिसका विषय न्यायपालिका में हिन्दी – प्रयोग और संभावनाएं था।

सभी सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं भाषा के नवीनतम प्रयोग से भरपूर थे। सभी सत्रों में अध्यक्ष महोदय का सम्बोधन सत्र के सार के साथ-साथ विभिन्न जानकारियों को समाहित किए हुए था।

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

वाराणसी, 13 एवं 14 नवंबर, 2021

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का विडीयो देखने के लिए इस विडीयो चिह्न पर क्लिक करें।

पहले दिन संध्या को सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्रों की प्रस्तुति के साथ-साथ शहनाई वादन, गायन एवं नई दिल्ली से आई कत्थक केंद्र की प्रस्तुति थी।

दिनांक 14.11.2021 को प्रात: 8 बजे ट्रेड सेंटर से लमही के लिए प्रस्थान किया गया। प्रेमचंद संस्थान में मुंशी प्रेमचंद जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए एक संक्षिप्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अजय कुमार मिश्रा, माननीय गृह राज्य मंत्री द्वारा की गई। इसके पश्चात दीनदयाल हस्तकला संकुल वाराणसी में प्रात: 10.30 बजे प्रेमचंद सभागार में विषय – **रंगमंच,सिनेमा और हिंदी** विषय पर सत्र रखा गया उक्त सत्र में नई दिल्ली, बेंगलूरू एवं प्रयागराज आदि स्थानों से श्रेष्ठ अतिथि वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

समानांतर सत्र, कबीर सभागार में विषय – **काशी का हिंदी साहित्य में योगदान** पर रखा गया। यह अत्यंत ही सारगर्भित, रोचक व ज्ञानवर्धक सत्र रहा।

उक्त दोनों सत्रों में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से राजभाषा हिंदी की वर्तमान स्थिति एवं उसके प्रचार प्रसार व बदलते परिवेश में उसकी महत्ता एवं उपयोगिता के संदर्भ में भी विचार विमर्श किया गया।

दिनांक 14.11.2021 को प्रेमचंद सभागार में समापन सत्र का आयोजन किया गया। श्री आनंद कुमार, निदेशक (नीति) द्वारा दो दिवसीय सम्मेलन का संक्षेप सार प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर सचिव महोदया राजभाषा विभाग द्वारा सभी को संबोधित किया गया। समापन सत्र के दौरान विशेष रूप से श्री अजय कुमार मिश्रा माननीय गृह राज्य मंत्री विशेष रूप से उपस्थित थे। उन्होंने अपने संबोधन में उक्त सम्मेलन की सफलता हेतु सभी को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। समापन सत्र में संयुक्त सचिव, राजभाषा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

उक्त सम्मेलन में भारत देश के विभिन्न प्रांतों से उपस्थित भिन्न भिन्न बैंकों, उपक्रमों व संस्थानों द्वारा प्रदर्शित स्टॉल का समस्त गणमान्य जन द्वारा दौरा किया गया। यूको बैंक की स्टॉल का दौरा करने आए सभी विद्वजनों ने यूको बैंक को प्राप्त कीर्ति पुरस्कार एवं यूको बैंक में हो रहे राजभाषा संबंधी श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

वाराणसी, 13 एवं 14 नवंबर, 2021

गजानन माधव मुक्तिबोध : एक परिचय

माह के हिंदी साहित्यकार

जन्म : 13 नवंबर 1917 **मृत्यु : 11 सितंबर 1964**

गजानन माधव मुक्तिबोध का जन्म **13** नवम्बर, **1917** को श्योपुर में माधवराव-पार्वती दंपत्ति के घर हुआ। मुक्तिबोध अस्तित्ववादी विचारधारा के समर्थक थे। हिन्दी साहित्य के प्रमुख कवि, आलोचक, निबंधकार, कहानीकार तथा उपन्यासकार थे। उन्हें प्रगतिशील कविता और नयी कविता के बीच का एक सेतु भी माना जाता है। 1962 में उनके द्वारा तैयार की गई पाठ्य पुस्तक 'भारत: इतिहास और संस्कृति' को सरकार द्वारा प्रतिबंधित किए जाने से उनके मन को आघात लगा था।

47 साल की उनकी अल्पायु में उन्होंने जिस कठोर यथार्थ को भोगा उसकी अभिव्यक्ति 'फंतासी' या 'फ़ैंटेसी' के शिल्प में की है। **'अँधेरे में'** और **'ब्रह्मराक्षस'** सरीखी उनकी लंबी प्रसिद्ध कविताओं सहित अन्य कई कविताओं में कम-बेशी मात्रा में यही शिल्प उतरता हुआ नज़र आता है। हिंदी कविता में फ़ैंटेसी की पहचान मुक्तिबोध से ही होती है। यह फ़ैंटेसी कविता वातावरण के सृजन, वस्तुस्थिति के प्रत्यक्षीकरण, आत्मकथन, बिंब रचना, कर्ता के प्रवेश, काव्यवस्तु और काव्य-कर्ता के बीच संबंध निर्माण और अंतः क्रियाओं के सूत्रों का सृजन, कथ्य का उभार, प्रतीकों और बिंबों के माध्यम से तय दिशा की ओर प्रस्थान, फ़ैंटेसी से बाहर सचेत वाचक की टिप्पणी आदि प्रक्रियाओं से गुज़रती है जहाँ मुक्तिबोध कोई विशिष्ट क्रम नहीं बनने देते और अलग-अलग कविताओं में बार-बार हेर-फेर से उसे चुनौती देते हैं।

नामवर सिंह के शब्दों में **"नई कविता में मुक्तिबोध की जगह वही है, जो छायावाद में निराला की थी। निराला के समान ही मुक्तिबोध ने भी अपने युग के सामान्य काव्य-मूल्यों को प्रतिफलित करने के साथ ही उनकी सीमा को चुनौती देकर उस सर्जनात्मक विशिष्टता को चरितार्थ किया, जिससे समकालीन काव्य का सही मूल्यांकन हो सका।"**

मुक्तिबोध तारसप्तक के पहले कवि थे। मनुष्य की अस्मिता, आत्मसंघर्ष और प्रखर राजनैतिक चेतना से समृद्ध उनकी कविता पहली बार 'तार सप्तक' के माध्यम से सामने आई, लेकिन उनका कोई स्वतंत्र काव्य-संग्रह उनके जीवनकाल में प्रकाशित नहीं हो पाया। मृत्यु के पहले श्रीकांत वर्मा ने उनकी केवल **'एक साहित्यिक की डायरी'** प्रकाशित की थी, जिसका दूसरा संस्करण भारतीय ज्ञानपीठ से उनकी मृत्यु के दो महीने बाद प्रकाशित हुआ। ज्ञानपीठ ने ही **'चाँद का मुँह टेढ़ा है'** प्रकाशित किया था। इसी वर्ष नवंबर 1964 में नागपुर के विश्वभारती प्रकाशन ने मुक्तिबोध द्वारा 1963 में ही तैयार कर दिये गये निबंधों के संकलन **नयी कविता का आत्मसंघर्ष** तथा **अन्य निबंध'** को प्रकाशित किया था। परवर्ती वर्षो में भारतीय ज्ञानपीठ से मुक्तिबोध के अन्य संकलन **'काठ का सपना'**, तथा **'विपात्र'** (लघु उपन्यास) प्रकाशित हुए। पहले कविता संकलन के 15 वर्ष बाद, 1980 में उनकी कविताओं का दूसरा संकलन **'भूरी भूर खाक धूल'** प्रकाशित हुआ और 1985 में 'राजकमल' से पेपरबैक में छ: खंडों में **'मुक्तिबोध रचनावली'** प्रकाशित हुई, वह हिंदी के इधर के लेखकों की सबसे तेजी से बिकने वाली रचनावली मानी जाती है। कविता के साथ-साथ, कविता विषयक चिंतन और आलोचना पद्धति को विकसित और समृद्ध करने में भी मुक्तिबोध का योगदान अन्यतम है।

कविता पर प्रस्तुति देखने के लिए विडियो चिह्न पर क्लिक करें

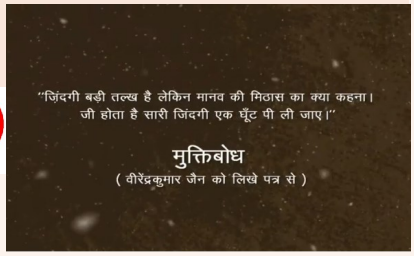

श्री नीलमणि फुकन : एक परिचय

असमिया भाषा के कवि नीलमणि फुकन को वर्ष 2021 के 56वें ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चुना गया। इसके साथ ही असमिया भाषा को तीसरी बार ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है।

वे असम के जोरहाट जिले के डेरागांव में पैदा हुए। उनके पिता के बड़े भाई लक्ष्मीनाथ फूकन साहित्य और पत्रकारिता में जाना-पहचाना नाम थे। उनसे वे बेहद प्रभावित हुए। परिवार में मां वह दूसरी शख्सियत थीं जिनसे ये प्रभावित हुए। बीती सदी के पचास के दशक में जब उन्होंने कविता लिखना शुरू किया था, तब द्वितीय विश्वयुद्ध समाप्त हो चुका था। उससे करीब एक दशक पहले ही आधुनिक असमिया कविता की शुरुआत हुई थी। उस दौर में हेम बरुआ, अमूल्य बरुआ, माहेश्वर नियोग और भवानंद दत्त कविताओं में नए तेवर और मुक्त छंद लेकर आए। ये मूलतः रोमांटिक कवि हैं। उनकी कविताओं में प्रेम. चुप्पी, विरह, अलगाव और दर्द है, तो धान के खेत और नदियों का सौंदर्य भी है। आधुनिक जीवन की विडंबनाओं को भी उन्होंने अपनी कविताओं में जगह दी है।

नीलमणि फुकन पर फिल्म

कविता पर प्रस्तुति देखने के लिए वीडियो चिह्न पर क्लिक करें

श्री दामोदर माउजो : एक परिचय

गोवा के जाने माने कोंकणी लघु कथाकार, उपन्यासकार, आलोचक और पटकथा लेखक हैं। लेखक दामोदर माउजो को वर्ष **2022 का ज्ञानपीठ पुरस्कार** देने की घोषणा की गई है। दामोदर माउजो सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कार प्राप्त करने वाले कोंकणी के दूसरे लेखक हैं। **उनकी कहानियों में निर्धन लोगों के संघर्ष और दर्द झलकता है।**

उनके उपन्यास के लिए उन्हें 1983 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था ।लघु कथाओं का उनका संग्रह टेरेसा मैन और गोवा से अन्य कहानियां 2015 में फ्रैंक ओ'कॉनर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था।

जुलाई 2020 में "तिष्टावनी"एक ऑनलाइन सत्र के माध्यम से माउजो ने छोटी कहानियों की एक पुस्तक जारी की। पुस्तक की अधिकांश कहानियों में गोवा केन्द्र में हैं। "झेल विट्ठलाना" (जैसा कि बर्फ का पिघलाव) कहानी युद्ध की पृष्ठभूमि के खिलाफ है। एक और कहानी "सुंदरकायो उपासका" (सौंदर्यशास्त्र), एक धनी व्यक्ति की पतनशीलता के बारे में है जो सौंदर्य ज्ञान का दावा करता है।

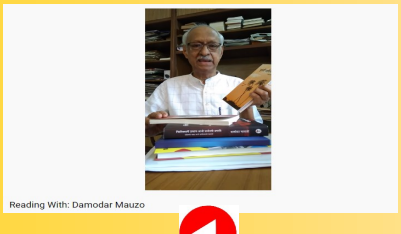

दामोदर माओजो के रचनाओं को जानने के लिए इस विडीयो चिह्न पर क्लिक करें

दामोदर माउजो का साक्षात्कार देखने के लिए वीडियो चिह्न पर क्लिक करें

सतर्कता दिवस 2021
की गतिविधियां

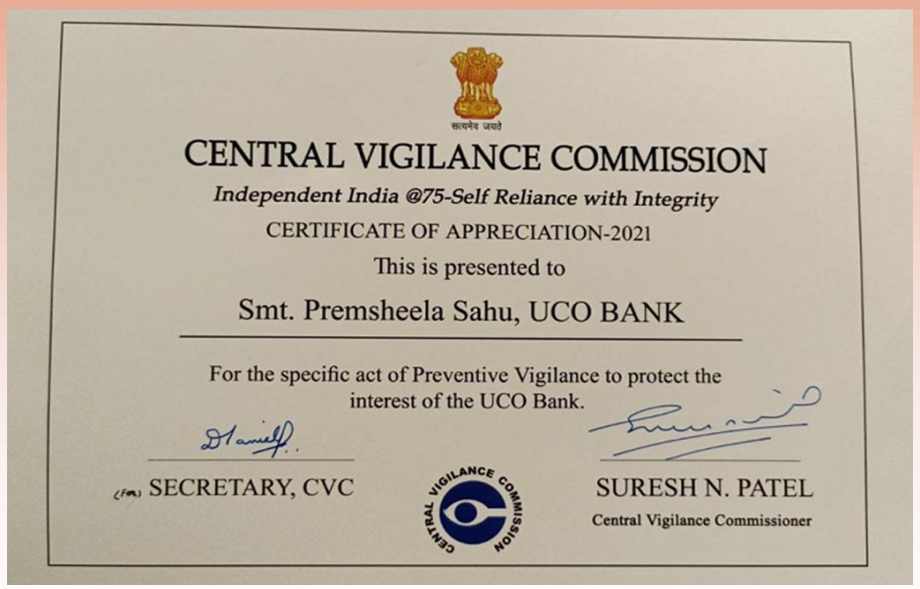

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

Independent India @75-Self Reliance with Integrity

CERTIFICATE OF APPRECIATION-2021

This is presented to

Smt. Premsheela Sahu, UCO BANK

For the specific act of Preventive Vigilance to protect the interest of the UCO Bank.

(Ms.) SECRETARY, CVC

SURESH N. PATEL
Central Vigilance Commissioner

सतर्कता दिवस 2021 की गतिविधियां

यूको बैंक ने मनाया सतर्कता जागरूकता सप्ताह

- एसआर इंटरनेशनल स्कूल में भाषण प्रतियोगिता का किया आयोजन
- छात्रों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा, विजेताओं को मिले पुरस्कार

मेरठ,30 अक्टूबर (देशबन्धु)। यूको बैंक के अंचल कार्यालय मेरठ द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2021 के अवसर पर एस.आर.इंटरनेशनल स्कूल, मेरठ के प्रांगण में स्कूल के छात्रों हेतु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह से अवगत कराते हुए सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा की शपथ भी दिलाई गई। प्रतियोगिता में सफल छात्रों को पुरस्कृत किया गया एवं सभी उपस्थित छात्रों को लेखन सामग्री भी वितरित की गई। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में साशिका शर्मा प्रथम स्थान उत्सा सिंह द्वितीय तथा वंशिका सांगवान तृतीय स्थान पर रहीं। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य, शैक्षणिक कर्मी तथा गैर शैक्षणिक कर्मी के साथ-साथ यूको बैंक अंचल कार्यालय मेरठ के उप अंचल प्रमुख, सतर्कता अधिकारी एवं सहायक प्रबंधक मौजूद रहे। उप अंचल प्रमुख वीके भट्ट ने बच्चों को पुरस्कार वितरण के उपरांत संदेश में बच्चों को न केवल पढ़ाई में वरन अन्य क्षेत्रों में भी आगे रहने के लिए प्रेरित किया। जैसे खेल कूद, बचत बैंक खाता खोलने के लिए प्रेरित किया साथ ही भारत को भ्रष्टाचार मुक्त कराने में सहयोग की अपील की। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्या श्वेता तोमर, गैथ्यू, मेरी रोज सिडनी, दीपिका व अन्य स्टाफ का सहयोग रहा।

सतर्कता दिवस 2021 की गतिविधियां

यूको बैंक ने मनाया सतर्कता जागरूकता सप्ताह

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपालगढ़. केंद्रीय सतर्कता आयोग के तत्वाधान में चल रहा सतर्कता जागरूकता सप्ताह यूको बैंक शाखा भोपालगढ़ ने मनाया। इस अवसर पर बैंक ने स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल विद्यालय भोपालगढ़ में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। यूको बैंक द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र दिए गए एवं मुख्य तीन प्रतिभागियों को इनाम, प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर सभी ने जीवन के सभी क्षेत्रों मे ईमानदारी एवं कानून के नियमो का पालन करने की शपथ ली।यूको बैंक शाखा प्रबंधक प्रकाश देवड़ा तथा प्रधानाचार्य रामसुख फिड़ौदा ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर बैंक अधिकारी हरीश पूनिया, धंसी राम मीणा,नथमल देवड़ा एवं स्कूल स्टाफ कपिल देवड़ा, बाबूलाल चौधरी,हरेंद्र,पप्पू राम देवासी, रामूराम , सोहन लाल आदि मौजूद रहे ।

लप्रहरी जोरहाट

ट यूको बैंक ने तिताबर में किया स
ागरूकता ग्राम सभा का आयोज

सतर्कता दिवस 2021 की गतिविधियां

दैनिक भास्कर बेगूसराय 31-10-2021

जनता को जागरूक करने के लिए यूको बैंक के कर्मियों ने की पदयात्रा

भ्रष्टाचार मुक्त कार्य के लिए जनता को विजिलेंस अवेयरनेस जरूरी : महाप्रबंधक

दैनिक भास्कर भागलपुर 30-10-2021

आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार बड़ी बाधा : वरीय प्रबंधक

यूको बैंक की ओर से सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत केएस हाईस्कूल सुल्तानगंज में कार्यक्रम आयोजित

छात्र को पुरस्कृत करते बैंक प्रबंधक।

खीरा के फायदे

सलाद के रूप में सम्पूर्ण विश्व में खीरा का विशेष महत्त्व है। खीरा में विटामिन सी, विटामिन के, कॉपर, मैग्नीशियम, पोटेशियम, मैंगनीज और सबसे महत्वपूर्ण सिलिका जैसे आवश्यक पोषक तत्व **होते हैं**। खीरा को सलाद के अतिरिक्त उपवास के समय फलाहार के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसके द्वारा विभिन्न प्राकर की मिठाइयाँ भी तैयार की जाती है। गर्मियों में खीरा किसी न किसी रूप में जरूरी खाया जाता है। इस दौरान हल्का और साफ खाना जरूरी होता है क्योंकि सर्दियों के मुकाबले गर्मियों में डायरिया और फूड पॉइजनिंग की समस्या ज्यादा होती है। मगर खीरा के साथ में एक चेतावनी भी जुड़ी हुई है और वो यह है कि खीरा खाने के बाद पानी नहीं पीना चाहिए।

खीरे में 95 फीसदी पानी होता है। खीरा में विटामिन सी, विटामिन के, कॉपर, मैग्नीशियम, पोटेशियम, मैंगनीज और सबसे महत्वपूर्ण सिलिका जैसे आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। यह त्वचा और बालों के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसमें 95 फीसदी पानी होता है ऐसे में इसे खाने के बाद पानी पीने से आप इन आवश्यक पोषक तत्वों से वंचित रह सकते हैं। पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण के लिए कच्ची सब्जियां और फल खाने के बाद पानी पीने से बचने की सलाह दी जाती है।

खीरा खाने के तुरंत बाद पानी पीने से जीआई गतिशीलता में वृद्धि होती है, जिससे पाचन और अवशोषण की प्राकृतिक प्रक्रिया को नुकसान पहुंचता है। खीरे के साथ या उसके बाद पीने पीने से बॉडी का पीएच लेवल डिस्टर्ब हो सकता है। भोजन पचाने के लिए शरीर को पीएच लेवल की आवश्यकता होती है। बहुत अधिक पानी पीएच स्तर को कमजोर कर सकता है। इसके अलावा खीरे के ऊपर पानी पीने से खाद्य पदार्थों को पचाने के लिए आवश्यक एसिड प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पाते, जिससे आपको पाचन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं अगर आप पाचन और कब्ज जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो आपके लिए उच्च पानी वाले खाद्य पदार्थ जैसे खीरा रामबाण साबित हो सकता है। यह आपकी आंतों को आराम पहुंचाएगा, लेकिन यदि आप खीरे के साथ पानी पीते हैं, तो आपको डायरिया और लूज मोशन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

खीरा सलाद, रायता, सैंडविच के अलावा सूप में भी डाल सकते हैं। खीरे के पकौड़े भी खूब लजीज होते हैं। खीरे को ड्रिंक्स में भी यूज किया जा सकता है।

खीरा के फायदे

खीरे के अद्भुत फायदे | Amazing Health Benefits of Cucumbers | Acharya Balkrishna

खीरा सलाद, रायता, सैंडविच के अलावा सूप में भी डाल सकते हैं। खीरे के पकौड़े भी खूब लजीज होते हैं। खीरे को ड्रिंक्स में भी इस्तमाल किया जा सकता है। खीरा और उसके जूस में कई प्रकार के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। वहीं, इस बात का ध्यान रखें कि यह किसी भी बीमारी का इलाज नहीं है, इसका उपयोग स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव और उनके प्रभाव को कम करने में कुछ हद तक सहायक हो सकता है।

खीरे के जैसे ही खीर के जूस में कई प्रकार के विटामिन पाए जाते हैं। इसमें विटामिन सी, विटामिन बी 6, विटामिन ए, विटामिन ई और विटामिन के जैसे विटामिन शामिल हैं । इनमें विटामिन सी कॉग्नीटिव हानि (जिसमें याद करने, नई चीजें सीखने, ध्यान केंद्रित करने या निर्णय लेने में परेशानी होना शामिल है) और सेरेब्रोवास्कुलर रोग (मस्तिष्क में खून की कमी के कारण होने वाली मस्तिष्क की क्षति) से बचाव करने में मदद कर सकता है। खीरे के जूस का सेवन डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी, की समस्या में भी फायदेमंद हो सकता है। एक रिसर्च के अनुसार खीरे में लगभग 96 प्रतिशत तक पानी की मात्रा पाई जाती है। ऐसे में हम कह सकते हैं कि खीरे के जूस का सेवन शरीर को रिहाइड्रेट करने का काम कर सकता है ।

पेट की गड़बडी तथा कब्ज में भी खीरा को औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। खीरा में अधिक मात्रा में फाइबर मौजूद होता है खीरा कब्ज़ दूर करता है। पीलिया, प्यास, ज्वर, शरीर की जलन, गर्मी के सारे दोष, चर्म रोग में लाभदायक है। खीरे का रस पथरी में लाभदायक है। घुटनों में दर्द को दूर करने के लिये भोजन में खीरे का सेवन अधिक मात्रा में करें| खीरा और गर्मियां साथ-साथ आती हैं। खीरा में कई पोषक तत्व होते हैं, जो उसे सेहत के लिए जरूरी बना देते हैं। खीरा को मिनरल, विटामिन और इलेक्ट्रोलाइट्स का पावरहाउस कहा जाता है। यह सैंडविच, सलाद, रायता में सबसे खास पसंद होता है।अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो खीरा आपका अच्छा साथी साबित हो सकता है। खीरे में 95 फीसदी पानी होता है, जो मेटबॉलिज्म मजबूत करता है। खीरे में ज्यादा पानी की मात्रा होने के चलते आप कई ऐसी चीजों के सेवन से बच जाते हैं जिसमें वजन बढ़ाने वाली चीजें ज्यादा होती हैं। हाल ही में हुए कई शोध इस बात को साबित कर रहे हैं कि रोजाना खीरा खाने से कैंसर का खतरा कम हो सकता है। खीरा में पाए जाने वाले प्रोटीन हमारे शरीर में कैंसर से लड़ने की ताकत पैदा करते हैं। यह कैंसर या ट्यूमर के विकास को रोकता है।इम्यूनिटी पावर को मजबूत बनाने में भी खीरा अहम है। खीरे में विटामिन सी, बीटा कैरोटीन जैसे एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर में मौजूद फ्री रेडिकल्स को दूर करते हैं। यह इम्यूनिटी को बेहतर बनाता है ।

खीरा अगर छिलके समेत खाया जाए तो यह हड्डियों को फायदा पहुंचाता है। खीरे के छिलके में काफी मात्रा में सिलिका होता है, जो हड्डियों को मजबूती देता है। साथ ही इसमें मौजूद कैल्शियम भी हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए काफी कारगर साबित होता है । ●

What is the meaning of Pin Drop Silence?

Following are some instances when silence could be heard louder than the noise (here voice).

Take 1:

Field Marshal Sam Bahadur Maneckshaw once started addressing a public meeting at Ahmedabad in English.

The crowd started chanting, "Speak in Gujarati.

We will hear you only if you speak in Gujarati."
Field Marshal Sam Bahadur Maneckshaw stopped.
Swept the audience with a hard stare and replied,

"Friends, I have fought many a battle in my long career.
I have learned Punjabi from men of the Sikh Regiment;
Marathi from the Maratha Regiment;
Tamil from the men of the Madras Sappers;
Bengali from the men of the Bengal Sappers,
Hindi from the Bihar Regiment; and
Even Nepali from the Gurkha Regiment.

Unfortunately there was no soldier from Gujarat from whom I could have learned Gujarati."...

You could have heard a pin drop

Take 2:

Robert Whiting,
an elderly US gentleman of 83, arrived in Paris by plane.

At French Customs, he took a few minutes to locate his passport in his carry on.

"You have been to France before, Monsieur ?", the Customs officer asked sarcastically.

Mr. Whiting admitted that he had been to France previously.

"Then you should know enough to have your passport ready."

The American said,
"The last time I was here,
I didn't have to show it."

"Impossible.
Americans always have to show their passports on arrival in France !", the Customs officer sneered.

The American senior gave the Frenchman a long, hard look.

Then he quietly explained

"Well, when I came ashore at Omaha Beach,
at 4:40am, on D-Day in 1944, to help liberate your country, I couldn't find a single Frenchman to show a passport to.... "

You could have heard a pin drop

Take 3:

Soon after getting freedom from British rule in 1947, the de-facto prime minister of India, Jawahar Lal Nehru called a meeting of senior Army Officers to select the first General of the Indian army.

Nehru proposed, "I think we should appoint a British officer as a General of The Indian Army, as we don't have enough experience to lead the same."
Having learned under the British, only to serve and rarely to lead, all the civilians and men in uniform present nodded their heads in agreement.

However one senior officer, Nathu Singh Rathore, asked for permission to speak.

Nehru was a bit taken aback by the independent streak of the officer, though, he asked him to speak freely.

Rathore said, "You see, sir, we don't have enough experience to lead a nation too, so shouldn't we appoint a British person as the first Prime Minister of India?"

You could hear a pin drop.

After a pause, Nehru asked Rathore,
"Are you ready to be the first General of The Indian Army?"..

Rathore declined the offer saying "Sir, we have a very talented army officer, my senior, Gen. Cariappa, who is the most deserving among us."

This is how the brilliant Gen. Cariappa became the first General and Rathore the first ever Lt. General of the Indian Army. ●

फिशिंग से सावधान रहें

सन्देहास्पद ई मेल / एसएमएस में दिए गए लिंक को न खोलें।

ई मेल संलग्नक को खोलते समय सावधान रहें।

निम्नलिखित का ध्यान रखें:

- ✓ वर्तनी की गलती
- ✓ भेजने वाले की ई मेल आई-डी
- ✓ ई मेल हस्ताक्षर
- ✓ अत्यावश्यकता भावना वाली ई मेल
- ✓ वित्तीय पुरस्कार देने वाली ई मेल

साइबर सुरक्षा का साप्ताहिक विचार

सी.आई.एस.ओ ऑफिस, यूको बैंक